# हिन्दी-साहित्य

## शास्त्री : चतुर्थ-सत्रार्द्ध

### GE – 4

**( भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिन्दी आलोचना)**

| क्र. | पाठ्यक्रम विवरण | क्रेडिट | घण्टे |
|---|---|---|---|
| 1 | **रस- परिभाषा, महत्त्व** रस के अवयव और रस के भेद | 1 | 16-20 |
| 2 | **अलंकार - परिभाषा, महत्त्व**<br>अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, विभावना<br>**छंद - परिभाषा, महत्त्व**<br>दोहा, चौपाई, छप्पय, कवित्त, सवैया, रोला, मालिनी, हरिगीतिका | 1 | 16-20 |
| 3 | **काव्य गुण - परिभाषा, महत्त्व**<br>माधुर्य, ओज, प्रसाद<br>**शब्द शक्ति- परिभाषा, महत्त्व**<br>अभिधा, लक्षणा, व्यंजना | 1 | 16-20 |
| 4 | **हिन्दी आलोचना :** अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप<br>**प्रमुख आलोचक :** आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. रामविलास शर्मा | 1 | 16-20 |

**सहायक सन्दर्भ ग्रन्थ**


1. काव्यशास्त्र — भगीरथ मिश्र
2. भारतीय साहित्यशास्त्र — बलदेव उपाध्याय
3. रस मीमांसा — रामचन्द्र शुक्ल
4. रस सिद्धान्त — नगेन्द्र


भारतीय भाषा विद्याशाखा प्रमुख - *प्रो. अर्चना दुबे*

अर्चना दुबे
हस्ताक्षर

दिनांक : 15.06.2024

5. काव्य के रूप - गुलाबराय
6. काव्य तत्व विमर्श - राममूर्ति त्रिपाठी
7. साहित्य सहचर हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का चिंतन जगत - कृष्णदत्त पालीवाल
10. हिन्दी साहित्य कोश भाग-1 - सम्पादक-धीरेन्द्र वर्मा
11. हिन्दी आलोचनाः शिखरों का साक्षात्कार - रामचन्द्र तिवारी लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. हिन्दी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
13. हिन्दी आलोचना की बीसवीं शताब्दी - निर्मला जैन
14. अलंकार पारिजात - नरोत्तमदास स्वामी, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर, (राज.)
15. साहित्य का स्वरूप - एन.सी.ई. आर.टी, नई दिल्ली।


भारतीय भाषा विद्याशाखा प्रमुख - *प्रो. अर्चना दुबे*

दिनांक : 15.06.2024

अर्चना दुबे
हस्ताक्षर